Date

भौगोलिक अध्ययन के उपागम

मनुष्य स्वभाव के अपने निवास स्थान के भूगोल मे मानव एवं भौतिक भूगोल की द्वैधता का एक महत्वपूर्ण कारण प्रारम्भ मे भौतिक भूगोल की अधिकाधिक संकुचित अर्थों मे प्रयुक्त करना भी रहा भौतिक भूगोल मे २०वी सदी के प्रारम्भ मे मात्र अजैविक भूतल के अध्ययन को ही सम्मिलित किया गया वनस्पति जीवन एवं मानव प्रजातियों के अध्ययन को भी निकाल दिया गया इससे जैव भूगोल आदि शाखाओं का जन्म हुआ ब्रिटेन अमेरिका एवं कुछ यूरोपीय देशों मे तो १९ वी शताब्दी मे भी अजैविक भौतिक भूगोल का अध्ययन विशेषकर भूतल के भौतिक लक्षणो की भू विज्ञान का विषय माना गया है।

वूलरिज एवं ईस्ट के अनुसार– भूगोल विषय का भौतिक एवं मानव दो भागो एवं मानव दो भागो मे विभाजन पूर्णतः असामान्य द्वैधता दर्शन है भौतिक (प्राकृतिक) एवं मानव भूगोल तो एक ग्लोब के ही दो पहलू है हर्बर्टसन – ने तो यहा तक कहा कि भूगोल रूपी सजीव इकाई को दो अर्द्धको मे बांटना उसकी हत्या करना है अतः यह एक हत्यारे जैसा कार्य है।

स्ट्रैबो से लेकर रिटर एवं हम्बोल्ट तक के भूगोल के विकास के काल तक जिसमे भूगोल का अभिन्न चिरसम्मत काल भी सम्मिलित है। क्योंकि भौतिक एवं मानव भूगोल को तो एक ही विज्ञान के दो पहलू मान गये

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date ___/___/___

इस स्तर पर विभाजित किया गया कि यूरोप एवं अमरीका के विश्वविद्यालयो में स्वतन्त्र स्थलाकृतिक विज्ञान एवं मानव या आर्थिक भूगोल के विभागाध्यक्षो की नियुक्तिया भी की गयी लगभग यही चिन्तन डेविस एवं पेंक का भी रहा

दूसरी ओर रेक्लेस हेकल बाकिल बरो एवं कु. सैम्पल ने मानवीय अध्ययन व उसके तत्वों का निर्माण और मानव की प्राकृतिक परिवेश पर निर्भरता के अध्ययन को ही भूगोल में लिया

इस प्रकार 19वी सदी के अन्तिम वर्ष 20वी सदी के प्रारम्भिक दशको मे फ्रास को छोड़कर यूरोप के सभी देशो मे भूगोल का दोहरा स्वरुप विकसित होने लगा

भौतिक भूगोल की शाखाएं एवं उनके अन्तर्सम्बन्ध

हार्टशोर्न – ने भौतिक भूगोल को ही मानकर अध्ययन करने की धारणा ही प्रारम्भ से ही तीखी आलोचना की इसमे पशु वनस्पति मानव उसकी क्रियाओ व प्रभावो को सम्मिलित नही करना किस आधार पर तर्कसंगत है

ब्रियन के अनुसार– भौतिक भूगोल तो विभिन्न विज्ञानो का ऐसा समूह है

बूलरिज एवं इस्ट ने भौतिक (प्राकृतिक) भूगोल की दो अन्तर्सम्बन्धित इकाईयों

(1) भौतिक एवं (2) जैव भूगोल मे विभाजित पर प्रत्येक का उपविभाजित किया

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

जैसे— भौतिक भूगोल को स्थान वायु एवं जलमण्डल मे विभाजित किया एवं जैव भूगोल को वनस्पति एवं जन्तु विज्ञान शाखो मे विभाजित किया यदि इसमे आपस मे विकास के सम्बन्ध कोई एकात्मकता मानी जाय तो फिर उसमे मानव भूगोल के अलग कैसे किया जा सकता है। इसी कारण स्वय प्राकृतिक तत्वो भूतल आकाश एवं जल की क्रियाएं एक दूसरे को प्रभावित करती हुई अन्तर्सम्बधित प्रतीत होती है।
भूतल के स्थल मण्डल को स्थलाकृति विज्ञान के नाम से विकसित किया गया। इसी भाँति वायु मण्डल के विभिन्न तत्वो तापमान वर्षा दवाव प्रणाली के स्वरुप संघनन क्रिया आदि सभी तत्वो को मौसम विभाग मे अलग से पढा जाने लगा। लगभग यही स्थिति जल मण्डल की है। जिसका अध्ययन महासागर विज्ञान मे किया जाता है। कि स्वयं भौतिक भूगोल एवं उसकी इकाइयां आपस मे अलग से घोडे के बाल मे बधी तलवार की भांति सम्बधित प्रतीत होती है।
इसी कारण हार्टशोर्न ने यहा तक कहा है। मानसिक दिवालियापन इसमे एक ओर तो पार्थिव तत्वो की एकरुपता नष्ट होगी सैद्धान्तिक शोध के लिए निश्चित नियम स्थापित कर उनके परिणाम परखने के लिए विशेषज्ञो द्वारा विशिष्ट अध्ययन शायद तर्कसगत दिखायी दे भौतिक भूगोल के यह सभी विषय भौतिक रसायन गणित भू गणित आदि विज्ञान के नियमो से जकडे हुए एवं विभिन्न व स्वतन्त्र विज्ञानो के अग माने जायेगे

प्राचार्य
18/6 मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

Page No.